विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
वर्ग - तृतीय विषय - हिंदी व्याकरण
एनसीईआरटी पर आधारित
दिनांक - **22-04- 2021**
पाठ - **3**
स्वर की मात्राएं

सुप्रभात बच्चअॅ ,

आज की कक्षा में आपको स्वर की मात्राओं के बारे में पढ़ना है जो कि इस प्रकार हैं -

बच्चो ! आपने यह कविता अवश्य पढ़ी होगी या सुनी होगी-

मछली जल की रानी है,
जीवन उसका पानी है।
हाथ लगाओ, डर जाएगी।
बाहर निकालो, मर जाएगी।

चलिए, अब बताएं कि आपको इस कविता की याद क्यअॅ दिलाई।

इस कविता में -

- म, छ, ज , ल , व , न, ह, र , जैसे व्यंजन वर्ण आए हैं।
- उ , ओ , ए स्वर भी आए हैं।

लेकिन क्या आपने देखा-

- 'मछली' में 'ल' के साथ 'ी' चिन्ह आया है । 'जीवन' में भी 'ज' के साथ 'ी' चिन्ह आया है।
- हाथ में 'ह' के साथ 'ा' चिन्ह आया है। 'बाहर ' में भी 'ब' के साथ 'ा' चिन्ह आया है ।

इसी प्रकार कुछ अन्य चिन्ह भी आए हैं । व्यंजन के साथ जुड़े ये चिन्ह स्वरअॅ की मात्राएं हैं। इन्हें इस प्रकार समझिए -

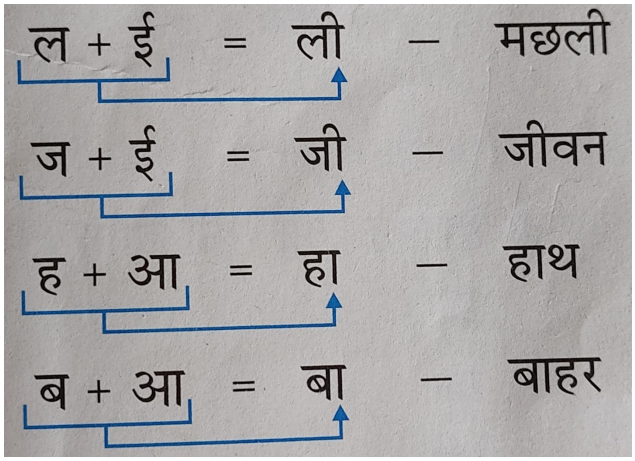

'अ' स्वर व्यंजन में पहले से जुड़ा होता है।

जैसे - क् + अ = क। इसलिए, इसकी कोई मात्रा नहीं होती है। हां , आ से लेकर औ तक सभी स्वरअॅ की अपनी-अपनी मात्राएं होती हैं ।

बच्चअॅ , आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में
दिए, गए अध्ययन - सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें ।

****

ज्योति